











# तेजी से आगे बढ़ाएं अपने मार्केट रिटर्न को

एनआईटी इडेक्स प्लस

एनआईटी इडेक्स प्लस

## मार्केट रिटर्न के साथ जीवन सुरक्षा का लाभ

एक नॉन-पार, लिखित, जीवन, व्यक्तिगत, बचत योजना

- मात्र ₹2,500/- के मासिक प्रीमियम से शुरूआत कीजिए
- दो फंडस से से चुनिए - निफ्टी 50 (कैल्कुलेटेड ग्रेडिड फंड) या निफ्टी 100 (कैल्कुलेटेड ग्रेडिड फंड) के बुनिदा स्टॉक्स में 100% तक निवेश
- गारंटीड पैडिंग्स के साथ\*

एनआईटी इडेक्स प्लस

### अधिक जानकारी के लिए आप अपने बीमा एजेंट/नजदीकी एलआईसी शाखा से संपर्क करें या आपके शहर का नाम 56767474 पर एएसएस करें

एलआईसी

भारतीय जीवन बीमा निगम LIC India Forever | IRDAI Regn No. 512

### शहर में आज

- हॉटिब 18 की ओर से यूरोपर्सआई काउंटिडॉम डीकॉन, अटल थिंकर बाणोरी कमेन्टरी सेटर, चौक, सुबह 6 बजे।
- न्यू ब्रान्ड मार्केट स्टूडेंट्स की ओर से पुस्तकालय में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि, शहीद स्मारक स्थल, सुबह 9:30 बजे।
- राजकल अकेडमी में सर्किट कला प्रदर्शनी, विद्यालय परिसर, आदिल नगर, कठन बिकारी मार्ग, सुबह 10 बजे।
- भारतीय समाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की ओर से भारत में सतत विकास लक्ष्य एवं आर्थिक विकास: उपलब्धियां और चुनौतियां विषय पर सम्मेलनी, लखनऊ विश्वविद्यालय, सुबह 10:15 बजे।
- आदर्श भारतीय विद्यालय में सडस पेड क्राफ्ट प्रदर्शनी, आश्विननगर, आलमनगर, सुबह 11 बजे।
- वर्षिक शौकीक प्रदर्शनी, सीपीएस, इंदिरानगर, दोहर 12 बजे।
- सर्किटल एजुकेशन प्रोग्राम-2026, एनएससी कॉमिटी रूम, केपीएमयू, दोहर 1 बजे।
- एन विचार मंच की ओर से अरामनाथ के दौर में वैदिका विषयक सम्मेलनी, वैदिकी अरामनाथ आकाशनी सभागार, पंचवटील कॉलेजी, निशापान, 3:30 बजे।
- शिव-गार्दीनी विवाह पर मेहंदी, एच ह्यूबो रस, महाकाल मंदिर, छिन्नीय मार्ग, राजेद नगर, शाम 7 बजे।

# भारी वाहन चलाने के लिए अब 'भारी' मशक्कत

●HMV लाइसेंस के लिए ड्राइविंग स्कूलों का सर्टिफिकेट अनिवार्य ●ट्रेनिंग स्कूलों की कमी से अटक रहे लाइसेंस

सिर्फ ड्राइविंग नहीं, फ्यूल बचाना भी सीखना होगा

डिजिटल सबूत

रजिस्टर और बुकलेट

मुश्किल: आवेदक ज्यादा, स्कूल कम

लखनऊ में भारी वाहन (HMV) चलाने का लाइसेंस बनाना अब अत्यंत मुश्किल हो गया है। नए नियमों के मुताबिक, ड्राइविंग स्कूलों की कमी से अटक रहे लाइसेंस। सिर्फ ड्राइविंग नहीं, फ्यूल बचाना भी सीखना होगा। डिजिटल सबूत और रजिस्टर और बुकलेट के साथ ही लाइसेंस बनाने में मुश्किल है। आवेदक ज्यादा, स्कूल कम।



### किन वाहनों के लिए चाहिए HMV लाइसेंस?

7500

स्कूलों पर भी सख्ती

- बैकिंग, ARTO प्रशिक्षण और मोटर वाहन प्रशिक्षण समग्र-समग्र पर स्कूलों का औपचारिक निरीक्षण करेंगे।
- रिपोर्ट: निगमों के उल्लंघन पर स्कूलों की मान्यता रद्द करने की भी घोषणा की गई है।

# कैट में मांझे से बाइक सवार की गर्दन कटी

●NBT न्यूज, लखनऊ: कैट इलाके में शुक्रवार शाम पंचों का मंजा घंटे से बाइक सवार की गर्दन काट गई। बाइक पर पीछे बैठे दोस्त ने उसे स्थिति समझते ही फर्क करवाया, जहां दुर्घटना से छूट पाया। इलाका निवासी युवक बाइक पर पीछे बैठे दोस्त के साथ मंजा घंटे बाइक को टोला गया। बाइक पर पीछे बैठे दोस्त के साथ मंजा घंटे बाइक को टोला गया। बाइक पर पीछे बैठे दोस्त के साथ मंजा घंटे बाइक को टोला गया।



# नगर निगम में वॉट्सएप वॉर

नगर निगम के ऑफिशल वॉट्सएप ग्रुप पर हुई कहासुनी, बकाया टैक्स वसूली पर भिड़े CTAO और जॉनल अधिकारी

नगर निगम के मुख्य कर निर्वाह अधिकारी (CTAO) विनय राय और जॉन-3 के जॉनल अधिकारी (ZO) आशीष कुमार के बीच विवाद की रिपोर्ट हुई है। नगर निगम के ऑफिशल वॉट्सएप ग्रुप पर दोनों अधिकारियों के बीच कहासुनी हुई है। विवाद का कारण टैक्स वसूली का तरीका बताया जा रहा है, जबकि पालिका सर्विस के अपडेटों से इनके अनुसंधानकर्ता बायो ड्रग मामलों में कड़ा एक्शन लेने की मांग की है। निस ग्रुप पर दोनों अधिकारियों के बीच विवाद हुआ उसमें नगर आयुक्त भी जुड़े हैं।

### 48 हजार स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी, नगर निगम के पास सिद्धी ही नहीं

●NBT रिपोर्ट, लखनऊ: रातकालीन को स्मार्ट सिटी बनाने के तहत के बीच जमीनें हाइब्रिड खर है कि खर की करीब 48 हजार स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं। इन्हें ठीक करने की जिम्मेदारी नगर निगम पर है। उसके पास न तो पुराने स्ट्रीट लाइटों के रिजर्व (स्टॉक) है और न ही जमीनें के लिए टैलर। हालांकि नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, नगर निगम के पास सिद्धी ही नहीं है।



### बजट है, लेकिन...

पार्षद का आरोप है कि लाइटिंग विभाग के पास भारी-भरकम बजट होने के बावजूद बुनियादी उपकरणों का अभाव है। उन्होंने घोषणा की है कि नगर निगम की संस्थापना की कमी दूर कर मरामात कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे नगर निगम मुख्यालय पर धरना देंगे।

# QR कोड स्कैन कर मिलेगी ट्रेनों की सटीक जानकारी

●NBT रिपोर्ट, लखनऊ: रेलवे स्टेशन पर आने वाले सभी ट्रेनों की सूची QR कोड स्कैन कर मिलेगी। QR कोड को स्कैन करने पर, ट्रेनों की सटीक जानकारी मिलेगी। QR कोड को स्कैन करने पर, ट्रेनों की सटीक जानकारी मिलेगी। QR कोड को स्कैन करने पर, ट्रेनों की सटीक जानकारी मिलेगी। QR कोड को स्कैन करने पर, ट्रेनों की सटीक जानकारी मिलेगी।



# गरीबों के लिए बनेंगे मैरिज लॉन

●NBT रिपोर्ट, लखनऊ: सरकारी जमीन का सदुपयोग करने के लिए नगर निगम ने नया फैसला किया है। अब गरीबों को सटीक जानकारी मिलेगी। नगर निगम ने नया फैसला किया है। अब गरीबों को सटीक जानकारी मिलेगी। नगर निगम ने नया फैसला किया है। अब गरीबों को सटीक जानकारी मिलेगी।

# आज रात 12 बजे से बदला रहेगा 11 रास्तों पर यातायात

●NBT न्यूज, लखनऊ: महाशिवरात्रि पर शिव यातायात में रुकने के लिए आज रात 12 बजे से बदला रहेगा 11 रास्तों पर यातायात। महाशिवरात्रि पर शिव यातायात में रुकने के लिए आज रात 12 बजे से बदला रहेगा 11 रास्तों पर यातायात। महाशिवरात्रि पर शिव यातायात में रुकने के लिए आज रात 12 बजे से बदला रहेगा 11 रास्तों पर यातायात।

# ऐसे होंगे वाहनों की आवाजाही

●जॉनल इन्फार्मेशन सेंटर पर वाहनों की आवाजाही। जॉनल इन्फार्मेशन सेंटर पर वाहनों की आवाजाही।

# लिफ्ट गिरने पर फर्म पर FIR, जुर्माना भी लगेगा

●NBT रिपोर्ट, लखनऊ: लिफ्ट गिरने पर फर्म पर FIR, जुर्माना भी लगेगा। लिफ्ट गिरने पर फर्म पर FIR, जुर्माना भी लगेगा। लिफ्ट गिरने पर फर्म पर FIR, जुर्माना भी लगेगा। लिफ्ट गिरने पर फर्म पर FIR, जुर्माना भी लगेगा।

# निजी मेडिकल संस्थानों में सिर्फ लावरीस शव का PM

●NBT न्यूज, लखनऊ: निजी मेडिकल संस्थानों में सिर्फ लावरीस शव का PM। निजी मेडिकल संस्थानों में सिर्फ लावरीस शव का PM। निजी मेडिकल संस्थानों में सिर्फ लावरीस शव का PM। निजी मेडिकल संस्थानों में सिर्फ लावरीस शव का PM।

# पाकों में सुविधाएं और सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश

●NBT रिपोर्ट, लखनऊ: पाकों में सुविधाएं और सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश। पाकों में सुविधाएं और सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश। पाकों में सुविधाएं और सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश। पाकों में सुविधाएं और सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश।

# हेल्थ रैंकिंग में लखनऊ पूरे प्रदेश में अग्ल

●NBT न्यूज, लखनऊ: हेल्थ रैंकिंग में लखनऊ पूरे प्रदेश में अग्ल। हेल्थ रैंकिंग में लखनऊ पूरे प्रदेश में अग्ल। हेल्थ रैंकिंग में लखनऊ पूरे प्रदेश में अग्ल। हेल्थ रैंकिंग में लखनऊ पूरे प्रदेश में अग्ल।











स्वाद

नवभारत टाइम्स

नवभारत टाइम्स | कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रसारित) | जिनवार, 14 फरवरी 2026

सकारात्मक संकेत

बांग्लादेश चुनाव का भारत पर असर

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के प्रमुख तारिक रहमान 17 साल बाद जब अपने देश लौटे तो उनका पहला सार्वजनिक बयान था कि भ्रष्टाचार एक पतन है। अब जब देश को कमान संभालने के लिए तैयार है, तो देश के विकास और गरीबी दूर करने के लिए बांग्लादेश को एक बराबर चुनन की जरूरत थी। बांग्लादेश की जनता को इसकी उम्मीदें हैं।



BNP की जीत

संयुक्त राष्ट्र। तारिक ने अपने भाषण में दो बातों पर खास जोर दिया था। एक, धर्म व्यक्ति का विषय है और वह देश के विकास के लिए बाधक नहीं है। दूसरे, उन्होंने बांग्लादेश के हिंदी को प्रभावित करने की बात कही थी। उनका स्वर अतीव सकारात्मक है। मोहम्मद युनुस के दौर में बांग्लादेश का विकास चीन-पाकिस्तान की तरफ ज्यादा दिखे।

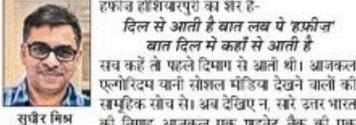
भारत का संदेश। तारिक रहमान ने ज्यादा संतुलित स्वर अपनाया है। उन्होंने भारत विरोधी भाषानायकों को प्रशंसा नहीं, बल्कि सभी को लेकर बतने की बात कही। भारत ने भी समय-समय पर बयान दिए कि वह पहले नेतृत्व के स्वर रखते बढने के लिए तैयार है। BNP की जीत पर तारिक को बधाई देने वाले सभसे पहले वैश्विक नेताओं में पॉपुलर नेटवर्क छोड़े। उन्होंने दोनों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रिश्ते की बात कर संकेतों को फिर से पटरी पर लाने की पहल कर दी है।

समाज सेवा। भारत और बांग्लादेश के हिंदू भाई भाइयों में साथ जुड़े हुए हैं। भले ही नई दिल्ली ने पूर्व प्रधानमंत्री मोदी जीवित को सशर्त दी है, लेकिन उनसे बांग्लादेश के आंतरिक मामलों से हमेशा दूरी बनाकर रखी। हालांकि जम्मू-एरद्वारियों की तुलना में BNP ज्यादा डर करेगा है और उसकी बड़ी जीत का मतलब है कि बांग्लादेश के आम लोगों को भी जम्मू की कद्रपूर्ण विचारधारा पर खसून लगी। ऐसे में भारत और बांग्लादेश हाल में आई दूरी को घट सकते हैं।

जनसंदेश का सम्मान। दूसरे देशों की संस्कृति और यहां के जनसंदेश का सम्मान भारत की नीति रही है। फॉर्म में ही वह संदेश बनाते हैं कि भारत आम को तैयार है। इसके अलावा भी समाज तंत्र को बचाव और भारत में पूर्व प्रमुख खलिदिया विजय के अलावा भी पेशवाजी की ओर फिर उनकी पीठ पर धिरेज नहीं आए। जवाहरकर द्वारा पहले थे। अब अगला कदम बांग्लादेश को उठाना होगा। सकारात्मक है कि BNP ने भी संकेतों को मानकृत करने की बात कही है।

खुले मन से

हम सामूहिक रूप से क्या है, यह एल्गोरिदम बताता है



हफ्ता होशियारपुरी का शेर है- दिल से आती है बात लव पे हमीजा। बात दिल में कहां से आती है। सब कहें तो पहले दिखाने से आती है। आजकल एल्गोरिदम यानी सोशल मीडिया देखने वालों की सफाई के बीच से। अब देखिए न, चारों ओर भारत की निष्ठा आजकल एक प्रोजेक्ट की एक शाखा पर अटक रही है। एक यादगार और एक बहाल महिना की बहस क्या हुई, एल्गोरिदम ने उसे सचुनी आपातकाल बना दिया। बात का बचाव कैसे बनता है, इसे देखकर समझ सकते हैं। और लोग है कि मीडिया पर सवाल उठाने है कि इन लोगों के पास दिवाने के लिए कुछ नहीं बचा। सब तो यह है कि आज भी अखबार वाले आधुनिक-व्यवस्था, महंगाई, फ्लैटवोट, मंदी, परिवहन, विज्ञानों की अप्रति, शिक्षा की गुणवत्ता और परीनों की बदहाली दिखाना चाहते हैं पर सवाल यह है कि क्या आप अपनी पेशवादी की खोज या लेखनीय पर इन पुरों को देखना चाहते हैं? देश के राजनीतिक दल और सरकारों की जाननी है कि आपके लिए अब अपाचार नहीं इश्यू है और नकार, झूठ, आँसूओं और फसलों अस्सी मुवा। इसलिए ये आप को बहो दे रही है जिन्से आप के पुर्वाग्रही को संतुष्ट मिलती है। इसलिए एक ऐसा बयान की रील बनती है और बहुरूप-इंटरफ़ेस पर बनती है। इतना जरूर है कि इस श्रमों से वह दावे जरूर बन सकते हैं जिन्से क्या जाना है कि अब जान-पान कहां है? देख लेंगे। इतने बड़े बैंक के पट्टे-लिखे स्टाफ तक में है।

उदाहरण के लिए, पत्र, पत्र-लिखा और अनपढ़ इससे अज्ञान नहीं है। हम बेवजह, अपाचार, शिक्षा और स्वास्थ्य पर शोक करते हैं, लेकिन जैसे ही जित्त का जिक्र आता है, हमारे पीर नहीं हुईं ज्यों स्मृति अंगड़ाई लेने लगती है। लोग कहते हैं कि नई पीढ़ी बदल गई है। वह जित्त-धर्म की कद्रता से मुक्त है लेकिन सोशल मीडिया देखिए तो लगता है कि यह जन्म अब 4K क्वालिटी में सुपर फाइन होकर आने लगे हैं। एक बैंक में नई बहस ने खचित कर दिया कि हमारे के युवा डिजिटल भले हो गए हैं, लेकिन पुराने लोगों के संस्कारों से मिली मानसिकता उनकी हाई डिस्क के वजन से घेरलर में कहीं सेव पड़ी है। जिनम मन में व्यवधान आते ही अवचनन से जातीय डेन कहीं न कहीं निकलकर सामने आ जाते हैं। चारों ओर नकार, झूठ, अपाचार का कोई और जित्त। भाव करस्ट- भय प्रकृत का नया गुनने लगता है। अब बहुरूप भला बैंक के कर्मचारियों को छोड़ी सो आने लगे हैं। अब कोई ग्राहक या बैंक का विषय नहीं चाहिए थी। और लोग कहते हैं मीडिया है, चारों ओर हाई हंसे से फले मन सब अपनी टाउप लहने कहीं नहीं देखेंगे? एल्गोरिदम कोई फेरेट नहीं है। वह हमारी ही सांस्कृतिक रीति, फादर का अज्ञान है। हम जो सोच जित्तन देखेंगे, वह हमें उतार ही दिखाए जाएगा। सफाई के बीच फलन डिजिटल समाज विषय निष्कर्ष किसी कोस डालते या गुणित पर भी नहीं बल्कि एक बेसी रीति पर निर्भर करता है और इसका बचाव बहुत बड़ा होता है। यह डिजिटल समाज ही आज सबसे बड़ा चालाक है जो किसी साधारण से घटता को भी ट्रेड कर सकता है, उसे लीड बन सकता है। यही बहक है कि देश के अस्सी सालत एमेशा की तरह लहने में चले हैं, बैंक के काउंटर की तरह कंबोकि यह आप की पेशवाजी है पर आप इस पर बात नहीं करना चाहते कंबोकि इसमें आपकी पीठ नहीं आता। अलतक हमारी रीति ऐसी बहकें हैं हैं जहां कोई मुवा भले न हो, लेकिन आपकी जातीय पहचान को दूत हो। इसमें कोई शक नहीं कि लोगों को अस्सल पुरों से ज्यादा फलनेवाले बने परसे है और महारत एल्गोरिदम को फेरेट दिखे है। चौर, देश ऐसे ही चलता रहेगा। महारत बदलेगा तो बहकें बदलेंगी। ट्रेड बदलेंगे और नए विधिसे हलकल भवाएंगे पर क्या हम असल पुरों को, अपनी दिक्कतों को कभी ट्रेड कर पाएंगे? यहलारत यह सब देखकर अपना जो हाल है, उस पर जावेद अक्सर सावक का यह शेर और बात खस कि-

वहाना हुंकरे रहते है कोई गेने का हमे ये शोक है क्या आसली पिगाने का

संवादी गतिधर के दौरान राष्ट्रपति की संवेधानिक भूमिका (अनुच्छेद 85) क्या होगी चाहिए, विशेष रूप से सत्र स्थगन में?

संवादी गतिधर के दौरान राष्ट्रपति की संवेधानिक भूमिका (अनुच्छेद 85) क्या होगी चाहिए, विशेष रूप से सत्र स्थगन में?

संवादी गतिधर के दौरान राष्ट्रपति की संवेधानिक भूमिका (अनुच्छेद 85) क्या होगी चाहिए, विशेष रूप से सत्र स्थगन में?

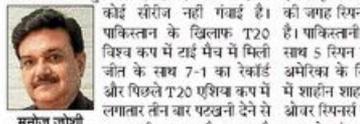
संवादी गतिधर के दौरान राष्ट्रपति की संवेधानिक भूमिका (अनुच्छेद 85) क्या होगी चाहिए, विशेष रूप से सत्र स्थगन में?

संवादी गतिधर के दौरान राष्ट्रपति की संवेधानिक भूमिका (अनुच्छेद 85) क्या होगी चाहिए, विशेष रूप से सत्र स्थगन में?

संवादी गतिधर के दौरान राष्ट्रपति की संवेधानिक भूमिका (अनुच्छेद 85) क्या होगी चाहिए, विशेष रूप से सत्र स्थगन में?

जीत पर संदेह नहीं, मगर सिक्के के दूसरे पहलू को नहीं कर सकते नजरअंदाज भारत को गलतियां सुधारनी होंगी

यह सुनने में अचानक लगता है कि फिलहाल 2026 क्रिकेट विश्व कप जीतने के बाद से हमारा रेकॉर्ड अन्य टीमों के मुकाबले दमदार है। तब से हमने कोई सीरीज नहीं गंवाई है।



मनीष जोशी

इस बार भी ऐसा होगा। सीमा पर से टीवी फेरेन के दृश्य भी देखने को मिलेंगे। देश की हर गति में जस मंगे।

सिक्के का दूसरा पहलू। यह तो सिक्के का एक पहलू है। मगर दूसरे पहलू को हमें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसमें थोड़ा फीयर फैक्टर है। हमने इस विश्व कप में दो मैच खेले हैं, हवाय रीफ्रेश बल्ला अंडान नहीं दिखे।

मध्यक्रम टूटल करत दिख रहा है। दो एक्सेलिट टैम्पों के गेंदबाज हमार बल्लेबाजों पर हावी दिखे। हमारी ही गमी पर सिफर भी हम पर हावी है।

अमेरिका ने पानी फिलया। T20 विश्व कप के शुरूआती दो मुकदमों में विषादी हमसे 20 दिखी। अमेरिका और नमिबिया के सामने हमारे प्रदर्शन ने यह सोचने पर मजबूर किया है कि मजबूत टीमों के खिलाड़ियों से हम कैसे बचेंगे।

नामीबिया के सामने तो हम 11 गेंदों पर 3 रन बना सके और 5 विकेट गंवा दिए। पिछले T20 विश्व कप में पाकिस्तान को हमने बारी अमेरिका की टीम ने भी हमें पानी फिला दिया। पावरप्ले में चार विकेट लेकर और 77 रनों पर 6 विकेट ड्रटक कर हमसे हमें संकेत में ला दिया था।

धरने की तैयारी। पाकिस्तान टीम के कोच माइक हेसन प्रॉब्लम रिजॉल्टी से उभराने रखते हैं। इसलिए, उनका जोर पाकिस्तान की फेस बॉलिंग की जगह रिपन पर है। रणनीति कमजोर दिख रही है। पाकिस्तानी टीम अब एक फाट ड्रडम रिपन के साथ 5 रिपन गेंदबाजों का इस्तेमाल कर रही है। अमेरिका के खिलाफ सिर्फ तेज गेंदबाज के रूप में शाहीन शाह अहमदी ही थे। टीम ने बाकी 16 ओवर रिपनसे से फेंकवाए।

पाकिस्तान की ताकत। भारतीय कलेक्टर शाबाज और नवाज को आसानी से खेल सकते हैं। शाबाज औसत रिपनर हैं और बाह्य के नवाज बल्लेबाज को फुल लेव खिलाने के लिए

है। अपनी इन चुनौतियों से वह 4 T20 मैचों में 11 विकेट ले चुके हैं। अबरार और सैम की रणनीति। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अबरार अहमद अपने हाई आर्प एक्शन के साथ गुगली और लेके ब्रेक गेंद फेंकते हैं। अमूमन उनकी लेव एक रेंज रहती है। उन्होंने अपने 75% से अधिक विकेट गुड लेव गेंद फेंक कर ड्रकते हैं। यह बीच के ओवरों में रन बचकर सामने वाली टीम पर दबाव डालते हैं। पाकिस्तान टीम के ओपरन सीम फावरले से पावरप्ले में बचना जरूरी होगा। हालांकि, फिलहाल 25 मुकदमों में उन्होंने 2 अर्थशतक जड़े हैं, लेकिन फावरले में अपनी सटीक बॉलिंग से वह टीम में बने हुए हैं।

ओवर कॉन्फिडेंस से बचना जरूरी। टीम इंडिया को ओवर कॉन्फिडेंस से बचने की जरूरत है। टीम में कई पावर हिटर हैं और हर खिलाड़ी हर गेंद पर छक्का मारने की कोशिश करता है। हालांकि, टीम यह संतुलन दिखा रही है। फलते मैच में सुरक्षित से शुरूआती गेंदों पर केवल सावधानी वाली और खी कम हार्डिक पाइय ने दूसरे मैच में किया। इसके अलावा, हमारे खिलाड़ियों को बाउंड्री पर आट होने से बचना होगा।

फलते मैच में हमारे चार बल्लेबाज बाउंड्री पर लक्ष्य पाए। और चहां जब उरमन तारिक को फायदा मिल सकता है, क्योंकि भारतीय कलेक्टर के सामने उन्होंने कभी गेंद नहीं भेजी है। दूसरे खास बात है कि यह ऑफ रिपनर हैं और भारत के शीर्ष 3 बल्लेबाजों में 6 बाएं हाथ के खिलाड़ी हैं। उनका की कैरम बल्ले बैरिगन लवने

हल्के में नहीं ले सकते

पाकिस्तान की रिपन से चुनती की होगी नवनी की होगी

पिछले T20 विश्व कप के बाद हम लगातार जीते

हल्के में नहीं ले सकते

पाकिस्तान की रिपन से चुनती की होगी नवनी की होगी

पिछले T20 विश्व कप के बाद हम लगातार जीते

हल्के में नहीं ले सकते

पाकिस्तान की रिपन से चुनती की होगी नवनी की होगी

पिछले T20 विश्व कप के बाद हम लगातार जीते

हल्के में नहीं ले सकते

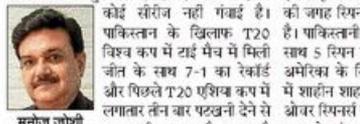
पाकिस्तान की रिपन से चुनती की होगी नवनी की होगी

पिछले T20 विश्व कप के बाद हम लगातार जीते

हल्के में नहीं ले सकते

पाकिस्तान की रिपन से चुनती की होगी नवनी की होगी

यह सुनने में अचानक लगता है कि फिलहाल 2026 क्रिकेट विश्व कप जीतने के बाद से हमारा रेकॉर्ड अन्य टीमों के मुकाबले दमदार है। तब से हमने कोई सीरीज नहीं गंवाई है।



मनीष जोशी

इस बार भी ऐसा होगा। सीमा पर से टीवी फेरेन के दृश्य भी देखने को मिलेंगे। देश की हर गति में जस मंगे।

सिक्के का दूसरा पहलू। यह तो सिक्के का एक पहलू है। मगर दूसरे पहलू को हमें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसमें थोड़ा फीयर फैक्टर है। हमने इस विश्व कप में दो मैच खेले हैं, हवाय रीफ्रेश बल्ला अंडान नहीं दिखे।

मध्यक्रम टूटल करत दिख रहा है। दो एक्सेलिट टैम्पों के गेंदबाज हमार बल्लेबाजों पर हावी दिखे। हमारी ही गमी पर सिफर भी हम पर हावी है।

अमेरिका ने पानी फिलया। T20 विश्व कप के शुरूआती दो मुकदमों में विषादी हमसे 20 दिखी। अमेरिका और नमिबिया के सामने हमारे प्रदर्शन ने यह सोचने पर मजबूर किया है कि मजबूत टीमों के खिलाड़ियों से हम कैसे बचेंगे।

नामीबिया के सामने तो हम 11 गेंदों पर 3 रन बना सके और 5 विकेट गंवा दिए। पिछले T20 विश्व कप में पाकिस्तान को हमने बारी अमेरिका की टीम ने भी हमें पानी फिला दिया। पावरप्ले में चार विकेट लेकर और 77 रनों पर 6 विकेट ड्रटक कर हमसे हमें संकेत में ला दिया था।

धरने की तैयारी। पाकिस्तान टीम के कोच माइक हेसन प्रॉब्लम रिजॉल्टी से उभराने रखते हैं। इसलिए, उनका जोर पाकिस्तान की फेस बॉलिंग की जगह रिपन पर है। रणनीति कमजोर दिख रही है। पाकिस्तानी टीम अब एक फाट ड्रडम रिपन के साथ 5 रिपन गेंदबाजों का इस्तेमाल कर रही है। अमेरिका के खिलाफ सिर्फ तेज गेंदबाज के रूप में शाहीन शाह अहमदी ही थे। टीम ने बाकी 16 ओवर रिपनसे से फेंकवाए।

पाकिस्तान की ताकत। भारतीय कलेक्टर शाबाज और नवाज को आसानी से खेल सकते हैं। शाबाज औसत रिपनर हैं और बाह्य के नवाज बल्लेबाज को फुल लेव खिलाने के लिए

है। अपनी इन चुनौतियों से वह 4 T20 मैचों में 11 विकेट ले चुके हैं। अबरार और सैम की रणनीति। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अबरार अहमद अपने हाई आर्प एक्शन के साथ गुगली और लेके ब्रेक गेंद फेंकते हैं। अमूमन उनकी लेव एक रेंज रहती है। उन्होंने अपने 75% से अधिक विकेट गुड लेव गेंद फेंक कर ड्रकते हैं। यह बीच के ओवरों में रन बचकर सामने वाली टीम पर दबाव डालते हैं। पाकिस्तान टीम के ओपरन सीम फावरले से पावरप्ले में बचना जरूरी होगा। हालांकि, फिलहाल 25 मुकदमों में उन्होंने 2 अर्थशतक जड़े हैं, लेकिन फावरले में अपनी सटीक बॉलिंग से वह टीम में बने हुए हैं।

ओवर कॉन्फिडेंस से बचना जरूरी। टीम इंडिया को ओवर कॉन्फिडेंस से बचने की जरूरत है। टीम में कई पावर हिटर हैं और हर खिलाड़ी हर गेंद पर छक्का मारने की कोशिश करता है। हालांकि, टीम यह संतुलन दिखा रही है। फलते मैच में सुरक्षित से शुरूआती गेंदों पर केवल सावधानी वाली और खी कम हार्डिक पाइय ने दूसरे मैच में किया। इसके अलावा, हमारे खिलाड़ियों को बाउंड्री पर आट होने से बचना होगा।

फलते मैच में हमारे चार बल्लेबाज बाउंड्री पर लक्ष्य पाए। और चहां जब उरमन तारिक को फायदा मिल सकता है, क्योंकि भारतीय कलेक्टर के सामने उन्होंने कभी गेंद नहीं भेजी है। दूसरे खास बात है कि यह ऑफ रिपनर हैं और भारत के शीर्ष 3 बल्लेबाजों में 6 बाएं हाथ के खिलाड़ी हैं। उनका की कैरम बल्ले बैरिगन लवने

हल्के में नहीं ले सकते

पाकिस्तान की रिपन से चुनती की होगी नवनी की होगी

पिछले T20 विश्व कप के बाद हम लगातार जीते

हल्के में नहीं ले सकते

पाकिस्तान की रिपन से चुनती की होगी नवनी की होगी

पिछले T20 विश्व कप के बाद हम लगातार जीते

हल्के में नहीं ले सकते

पाकिस्तान की रिपन से चुनती की होगी नवनी की होगी

पिछले T20 विश्व कप के बाद हम लगातार जीते

हल्के में नहीं ले सकते

पाकिस्तान की रिपन से चुनती की होगी नवनी की होगी

पिछले T20 विश्व कप के बाद हम लगातार जीते

हल्के में नहीं ले सकते

पाकिस्तान की रिपन से चुनती की होगी नवनी की होगी

पिंपरी की चाय और दादा

जब भी मैं गुणे के पिंपरी में अपने कंजर भाट डोरते से मिलने जाता हूँ, तब अक्सर दादा दुकान पर जाते हैं। वहां कभी अजित पवार जयब कहते थे। उनके भाट समुदाय के दोस्तों ने उन दुकान पर आसिन किया था। इसके बाद तो उन्होंने कुछ और का मन रखने के लिए कई बार उन दुकान पर जाते हैं। इस दुकान पर अजित दादा ने चनें बियाए हैं। यह फ्रेंच बतानी है कि फावरले के 6 बार हिट्टी सीमा पर अजित पवार किता तह नही से जुड़े नये थे।

साल 1992 में पिंपरी क्षेत्र से ही उन्होंने अपनी जननीति की मानकृत शुरू की। उनकी फसक यहां इनकी मानकृत रही कि लोग इसे आदर के पाव की तरह अर्थिज मानते हैं। उन्होंने कंजर भाट समुदाय के लोगों को अपनी पार्टी से जोड़ा और उनकी सम्पत्तियों को सम्मने की कोशिश की। उनके भाइयों में कई फावरले डोरते-पट्टी से निकलकर फसक पकड़ने में उभरे लगे। उस समय समुदाय के कुछ युवा कच्ची शराब के धारे में भी शामिल थे, उन्हें मुजबब से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए गए। उन्ही प्रयत्नों में एक फल यह भी कि

अजित पवार वेन गणपति से मिलते, उन्हें संबोधित करते और सकाराती जेवनकों की जानकारी देते। उनके भाषण गंभीर पड़े पर होते थे, लेकिन वह उन्हें आसन और हल्के अंडाम में करते, इसलिए बीच-बीच में हंस के तहकें भी गुंजते फते।

अजित पवार ने समुदाय के लोगों को नए-नए नेजगार की तरफ प्रेरित किया। यह चहरे किस्से भी गंवनन में रहे हो, सखार में हो या विषय में - कंजर भाट समुदाय के लिए उनका स्वर रकनात्मक रहा। उनका स्वर कबल बड़ी संख्य में युवा जननीति में उभरे और आन भी आ रहे हैं।

पिंपरी हमेशा से कामगारों का इल्का रहा है। यहां के लोगों की उज्जी और उल्हाह को पवार दादा ने अचरी तरह समझा। छंदे और सारने तबन आधुनिक को लागू करने में भी उनके प्रयास अहम बनते जाते हैं। अब कई कंजर भाट पवार दिखी पनदरी से निकलकर सकाराती जयब कहते से जुड़े हैं, इसका श्रेय उनके प्रयत्नों को दिया जात है। उनके आरम्भिक विधान ने पूरे समुदाय को गहरे दृष्ट में डाल दिया है। लोगों को आंखों में आंसू हैं और उन आंखों में अजित दादा की उजब सफाई देखी जाती है। मैंने फलती बार देखा कि हमारे समुदाय के लोग किस्से नेत्र के निधान पर इस तरह भाकत होकर उभे थे। यह सम्मान और अजानान उनके काम और व्यवहार की बहक से मिले। मैंने से फले भी उन्होंने समुदाय की कलमें में भरमभंड करके भी मंजूरी दी थी। एक छोटे-से समुदाय के प्रति उनके मन में जो संवेद-सौलत थी, उससे दूसरे नेताओं को सीख लेने की जरूरत है।

अजित पवार ने समुदाय के लोगों को नए-नए नेजगार की तरफ प्रेरित किया। यह चहरे किस्से भी गंवनन में रहे हो, सखार में हो या विषय में - कंजर भाट समुदाय के लिए उनका स्वर रकनात्मक रहा। उनका स्वर कबल बड़ी संख्य में युवा जननीति में उभरे और आन भी आ रहे हैं।

पिंपरी हमेशा से कामगारों का इल्का रहा है। यहां के लोगों की उज्जी और उल्हाह को पवार दादा ने अचरी तरह समझा। छंदे और सारने तबन आधुनिक को लागू करने में भी उनके प्रयास अहम बनते जाते हैं। अब कई कंजर भाट पवार दिखी पनदरी से निकलकर सकाराती जयब कहते से जुड़े हैं, इसका श्रेय उनके प्रयत्नों को दिया जात है। उनके आरम्भिक विधान ने पूरे समुदाय को गहरे दृष्ट में डाल दिया है। लोगों को आंखों में आंसू हैं और उन आंखों में अजित दादा की उजब सफाई देखी जाती है। मैंने फलती बार देखा कि हमारे समुदाय के लोग किस्से नेत्र के निधान पर इस तरह भाकत होकर उभे थे। यह सम्मान और अजानान उनके काम और व्यवहार की बहक से मिले। मैंने से फले भी उन्होंने समुदाय की कलमें में भरमभंड करके भी मंजूरी दी थी। एक छोटे-से समुदाय के प्रति उनके मन में जो संवेद-सौलत थी, उससे दूसरे नेताओं को सीख लेने की जरूरत है।

अजित पवार ने समुदाय के लोगों को नए-नए नेजगार की तरफ प्रेरित किया। यह चहरे किस्से भी गंवनन में रहे हो, सखार में हो या विषय में - कंजर भाट समुदाय के लिए उनका स्वर रकनात्मक रहा। उनका स्वर कबल बड़ी संख्य में युवा जननीति में उभरे और आन भी आ रहे हैं।

पिंपरी हमेशा से कामगारों का इल्का रहा है। यहां के लोगों की उज्जी और उल्हाह को पवार दादा ने अचरी तरह समझा। छंदे और सारने तबन आधुनिक को लागू करने में भी उनके प्रयास अहम बनते जाते हैं। अब कई कंजर भाट पवार दिखी पनदरी से निकलकर सकाराती जयब कहते से जुड़े हैं, इसका श्रेय उनके प्रयत्नों को दिया जात है। उनके आरम्भिक विधान ने पूरे समुदाय को गहरे दृष्ट में डाल दिया है। लोगों को आंखों में आंसू हैं और उन आंखों में अजित दादा की उजब सफाई देखी जाती है। मैंने फलती बार देखा कि हमारे समुदाय के लोग किस्से नेत्र के निधान पर इस तरह भाकत होकर उभे थे। यह सम्मान और अजानान उनके काम और व्यवहार की बहक से मिले। मैंने से फले भी उन्होंने समुदाय की कलमें में भरमभंड करके भी मंजूरी दी थी। एक छोटे-से समुदाय के प्रति उनके मन में जो संवेद-सौलत थी, उससे दूसरे नेताओं को सीख लेने की जरूरत है।

अजित पवार ने समुदाय के लोगों को नए-नए नेजगार की तरफ प्रेरित किया। यह चहरे किस्से भी गंवनन में रहे हो, सखार में हो या विषय में - कंजर भाट समुदाय के लिए उनका स्वर रकनात्मक रहा। उनका स्वर कबल बड़ी संख्य में युवा जननीति में उभरे और आन भी आ रहे हैं।

पिंपरी हमेशा से कामगारों का इल्का रहा है। यहां के लोगों की उज्जी और उल्हाह को पवार दादा ने अचरी तरह समझा। छंदे और सारने तबन आधुनिक को लागू करने में भी उनके प्रयास अहम बनते जाते हैं। अब कई कंजर भाट पवार दिखी पनदरी से निकलकर सकाराती जयब कहते से जुड़े हैं, इसका श्रेय उनके प्रयत्नों को दिया जात है। उनके आरम्भिक विधान ने पूरे समुदाय को गहरे दृष्ट में डाल दिया है। लोगों को आंखों में आंसू हैं और उन आंखों में अजित दादा की उजब सफाई देखी जाती है। मैंने फलती बार देखा कि हमारे समुदाय के लोग किस्से नेत्र के निधान पर इस तरह भाकत होकर उभे थे। यह सम्मान और अजानान उनके काम और व्यवहार की बहक से मिले। मैंने से फले भी उन्होंने समुदाय की कलमें में भरमभंड करके भी मंजूरी दी थी। एक छोटे-से समुदाय के प्रति उनके मन में जो संवेद-सौलत थी, उससे दूसरे नेताओं को सीख लेने की जरूरत है।

अजित पवार ने समुदाय के लोगों को नए-नए नेजगार की तरफ प्रेरित किया। यह चहरे किस्से भी गंवनन में रहे हो, सखार में हो या विषय में - कंजर भाट समुदाय के लिए उनका स्वर रकनात्मक रहा। उनका स्वर कबल बड़ी संख्य में युवा जननीति में उभरे और आन भी आ रहे हैं।

पिंपरी हमेशा से कामगारों का इल्का रहा है। यहां के लोगों की उज्जी और उल्हाह को पवार दादा ने अचरी तरह समझा। छंदे और सारने तबन आधुनिक को लागू करने में भी उनके प्रयास अहम बनते जाते हैं। अब कई कंजर भाट पवार दिखी पनदरी से निकलकर सकाराती जयब कहते से जुड़े हैं, इसका श्रेय उनके प्रयत्नों को दिया जात है। उनके आरम्भिक विधान ने पूरे समुदाय को गहरे दृष्ट में डाल दिया है। लोगों को आंखों में आंसू हैं और उन आंखों में अजित दादा की उजब सफाई देखी जाती है। मैंने फलती बार देखा कि हमारे समुदाय के लोग किस्से नेत्र के निधान पर इस तरह भाकत होकर उभे थे। यह सम्मान और अजानान उनके काम और व्यवहार की बहक से मिले। मैंने से फले भी उन्होंने समुदाय की कलमें में भरमभंड करके भी मंजूरी दी थी। एक छोटे-से समुदाय के प्रति उनके मन में जो संवेद-सौलत थी, उससे दूसरे नेताओं को सीख लेने की जरूरत है।

अजित पवार ने समुदाय के लोगों को नए-नए नेजगार की तरफ प्रेरित किया। यह चहरे किस्से भी गंवनन में रहे हो, सखार में हो या विषय में - कंजर भाट समुदाय के लिए उनका स्वर रकनात्मक रहा। उनका स्वर कबल बड़ी संख्य में युवा जननीति में उभरे और आन भी आ रहे हैं।

पिंपरी हमेशा से कामगारों का इल्का रहा है। यहां के लोगों की उज्जी और उल्हाह को पवार दादा ने अचरी तरह समझा। छंदे और सारने तबन आधुनिक को लागू करने में भी उनके प्रयास अहम बनते जाते हैं। अब कई कंजर भाट पवार दिखी पनदरी से निकलकर सकाराती जयब कहते से जुड़े हैं, इसका श्रेय उनके प्रयत्नों को दिया जात है। उनके आरम्भिक विधान ने पूरे समुदाय को गहरे दृष्ट में डाल दिया है। लोगों को आंखों में आंसू हैं और उन आंखों में अजित दादा की उजब सफाई देखी जाती है। मैंने फलती बार देखा कि हमारे समुदाय के लोग किस्से नेत्र के निधान पर इस तरह भाकत होकर उभे थे। यह सम्मान और अजानान उनके काम और व्यवहार की बहक से मिले। मैंने से फले भी उन्होंने समुदाय की कलमें में भरमभंड करके भी मंजूरी दी थी। एक छोटे-से समुदाय के प्रति उनके मन में जो संवेद-सौलत थी, उससे दूसरे नेताओं को सीख लेने की जरूरत है।

अजित पवार ने समुदाय के लोगों को नए-नए नेजगार की तरफ प्रेरित किया। यह चहरे किस्से भी गंवनन में रहे हो, सखार में हो या विषय में - कंजर भाट समुदाय के लिए उनका स्वर रकनात्मक रहा। उनका स्वर कबल बड़ी संख्य में युवा जननीति में उभरे और आन भी आ रहे हैं।

पिंपरी हमेशा से कामगारों का इल्का रहा है। यहां के लोगों की उज्जी और उल्हाह को पवार दादा ने अचरी तरह समझा। छंदे और सारने तबन आधुनिक को लागू करने में भी उनके प्रयास अहम बनते जाते हैं। अब कई कंजर भाट पवार दिखी पनदरी से निकलकर सकाराती जयब कहते से जुड़े हैं, इसका श्रेय उनके प्रयत्नों को दिया जात है। उनके आरम्भिक विधान ने पूरे समुदाय को गहरे दृष्ट में डाल दिया है। लोगों को आंखों में आंसू हैं और उन आंखों में अजित दादा की उजब सफाई देखी जाती है। मैंने फलती बार देखा कि हमारे समुदाय के लोग किस्से नेत्र के निधान पर इस तरह भाकत होकर उभे थे। यह सम्मान और अजानान उनके काम और व्यवहार की बहक से मिले। मैंने से फले भी उन्होंने समुदाय की कलमें में भरमभंड करके भी मंजूरी दी थी। एक छोटे-से समुदाय के प्रति उनके मन में जो संवेद-सौलत थी, उससे दूसरे नेताओं को सीख लेने की जरूरत है।

अजित पवार ने समुदाय के लोगों को नए-नए नेजगार की तरफ प्रेरित किया। यह चहरे किस्से भी गंवनन में रहे हो, सखार में हो या विषय में



**NOTE :-**

[ : राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi, ]

**English NEWSPAPERS**

[ Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi ] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

**2. आकाशवाणी (AUDIO)**

whatsapp Group ka link pane ke liye  
Newspaper\_pdf\_bot par jaye.

Click here to contact:-[https://t.me/Newspaper\\_pdf\\_bot](https://t.me/Newspaper_pdf_bot)

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper\_pdf\_bot And you will find a channel

**BACKUP GROUP LINK**

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

# Hindi-English News Paper

## Website:- [onlineftp.in](http://onlineftp.in)